



P.V.G.'s
Muktangan English School & Jr. College,
44, Vidyanagari, Parvati, Pune - 411009.

Terminal Examination (2025-26)
Standard - IX

Subject : Hindi (Entire)

Marks : 80

Date : 14-10-2025

Time : 8.00 am to 11.am

- सूचनाएँ १) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा व्याकरण की आकलन कृतियाँ में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।
२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें ।
३) उपयोजित लेखन (रचना विभाग) तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियाँ की आवश्यकता नहीं हैं ।
४) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

विभाग १ – गद्य (20 अंक)

कृति १ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

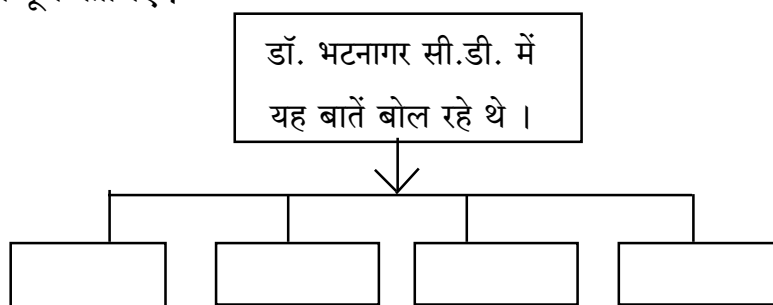
धीरे-धीरे कई महीने बीत गए । श्रीमती भटनागर निराश हो चुकी थीं । उनकी हालत पागलों जैसी हो गई थी । हर रोज सुबह उठतीं और दरवाजे पर आकर खड़ी हो जाती, जैसे वह डॉक्टर भटनागर के आने की प्रतीक्षा कर रही हों ।

कई महीनों बाद एक दिन श्रीमती भटनागर ने दरवाजे पर फिर से वैसी ही गाड़ी के पहियों के निशान देखे । उन्हें लगा कि शायद डॉक्टर साहब आए थे । लेकिन कहाँ हैं? उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी । खोज जारी हो गई । पुलिस का एक दल उनके घर पर भी आया । उसने गाड़ी के निशान देखे लेकिन उन निशानों को देखकर कुछ छी अंदाज लगाना कठिन था । हाँ, एक सी.डी. अवश्य मिली, जो लिफाफे में बंद थी और उस पर श्रीमती भटनागर का नाम लिखा था । उस सी.डी. को तुरंत सुनने की व्यवस्था की गई । सी.डी. बजते ही सभी लोग हतप्रभ रह गए । उसमें डॉक्टर भटनागर बोल रहे थे ।

‘तुम सब लोग मेरे लिए परेशान होंगे । शायद अब मरा हुआ समझ लिया हो । लेकिन मैं जिंदा हूँ और बिलकुल ठीक हूँ । तुम लोगों से कई करोड़ मील दूर मैं एक अन्य सौरमंडल के ग्रह पर हूँ । हम धरतीवाले सोचते हैं कि शायद दुनिया में जो कुछ है, वह हम ही हैं लेकिन इस ब्रह्मांड में तो हमारे सूर्य जैसे न जाने कितने सूर्य हैं और सभी के अपने-अपने ग्रह हैं । उन ग्रहों पर दुनिया बसी है और हमसे वे लोग कई गुना ज्यादा उन्नतिशील हैं । मुझे यहाँ आकर अपने परिवार, मित्रों, देश और पृथ्वी से दूर का दुख तो बहुत ही ज्यादा है, लेकिन इस बात की खुशी है कि मेरा यह भ्रम जाता रहा कि दुनिया में सिर्फ हम ही हैं । मुझे उम्मीद है कि पृथ्वी के लोग मेरी इस बात से कुछ सबक लेंगे ।

१) आकृती पूर्ण कीजिए ।

(2)



प्र. २ अ) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए ।

(1)

१) दुनिया =

२) सूर्य =

आ) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए ।

(1)

१) उन्नति ×

२) मित्र ×

इ) गद्यांश के आए दो शब्द युग्म की जोड़ी ढूँढकर लिखिए ।

(1)

१)

२)

ई) गद्यांश में आए दो प्रत्यययुक्त शब्द ढूँढकर लिखिए ।

(1)

१)

२)

३) स्वमत :-

(2)

‘यदि मैं डॉ. भटनागर की जगह होता / होती तो’ इस विषय पर अपने विचार ६-८ पंक्तियों में लिखिए ।

प्र. १ आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

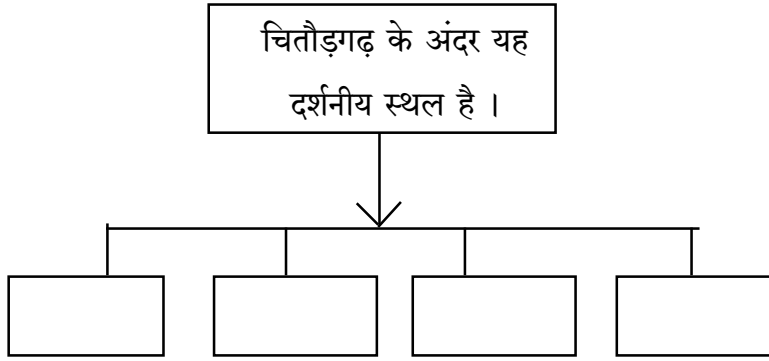
चित्तौड़गढ़ का नाम आए या चेतक का, तुरंत एक वीर, साहसी और स्वाभिमानी देशभक्त का चित्र मानसपटल पर सजीव हो उठता है । महाराणा प्रताप, जिन्होंने चित्तौड़ की रक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया, लेकिन आत्मसमर्पण नहीं किया । भले ही महलों को त्यागकर जंगल में शरण लेनी पड़ी, बच्चों और परिवार को भूखा रखना पड़ा, विशाल धरती शैया और खुला नील गगन चादर रहा, पर हार नहीं मानी । ऐसे ही एक और देशभक्त और स्वामिभक्त की याद ताजा हो जाती है- भामाशाह जिसने अपनी सारी पूँजी अपने स्वामी सम्राट राणा प्रताप के चरणों में अति विनम्र भाव से रख दी । इसी शहर से मीरा जैसी कृष्ण भक्त की यादें भी जुड़ी हैं ।

यो यह छोटा-सा शहर है लेकिन इसके कण-कण में वीरता, त्याग और भक्तिभाव भरा दिखता है। यहाँ के बाशिंदों की सहजता, सरलता और भाईचारा देखकर सहज ही यहाँ के महापुरुषों के गुणों की अभिव्यक्ति हो जाती है, जो इन्हें विरासत में मिले प्रतीत होते हैं।

दर्शनीय स्थलों में एक विशाल दूर्ग है जिसके विषय में कहा जाता है कि गढ़ों में गढ़ चित्तौड़गढ़ बाकी सब गढ़ैया। इस गढ़ के अंदर मीरा मंदिर, विजय स्तंभ, गौमुखी कुंड, कालिका मंदिर, पद्मिनी महल, जौहरकुंड, कुंभा महल, जैन मंदिर और श्री महाराणा म्युजियम जैसे अनेक दर्शनीय स्थल हैं। जैन मंदिर में सभी २४ तीर्थंकरों की प्रतिमाएँ स्थापित की गई हैं। सभी प्रतिमाएँ श्वेत संगमरमर के आकर्षक पत्थर से निर्मित हैं, पश्चिम की ओर बना रामपोल ही किले का मुख्य प्रवेश द्वार है। जैन मंदिर के सामने ही बड़े से गेट में विजय स्तंभ है, जो महाराणा कुंभा द्वारा मालवा के मुल्तान और गुजरात के सुल्तान के संयुक्त आक्रमण की साहसिक विजय के रूप में बनाया गया। यहाँ जौहर कुंड में रानी पद्मिनी जैसी वीरांगनाओं के जौहर की कहानी प्रतिबिंबित है।

१) आकृती पूर्ण कीजिए।

(2)



प्र. २ अ) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए।

(1)

१) महल =

२) धरती =

आ) निम्नलिखित शब्दों के वचन पहचानकर लिखिए।

(1)

१) प्रतिमाएँ ×

२) कहानी ×

इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में लिखिए।

(2)

१) महाराणा प्रताप ने किसकी रक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया?

२) चित्तौड़ शहर से किसकी यादें जुड़ी है?

३) स्वमत

‘चितौड़गढ़’ का वर्णन अपने शब्दों में ६-८ पंक्तियों में लिखिए ।

(2)

प्र. १ इ)

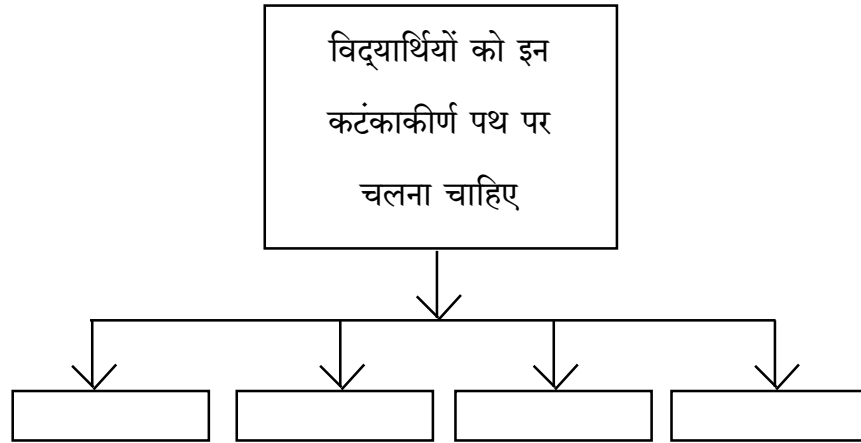
निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

किसी भी देश की संपत्ति उस देश के आदर्श विद्यार्थी ही होते हैं । विद्यार्थियों का चरित्र ही राष्ट्र की संपत्ति होता है । वह समय का मूल्यांकन करना जानता है । वह बैटिंग, सिनेमा, मोबाइल एवं अन्य मनोरंजनों में आवश्यकता से अधिक लिप्त नहीं होता है । उसके सामने सदा मंजिल रहती है और उसे ज्ञात है कि इन प्रलोभनों के वश में न होकर परिश्रम, तप, त्याग और साधना के कटंकाकीर्ण पथ पर चलकर ही वह कुछ बन सकता है । परिवार के लिए, समाज के लिए, राष्ट्र के लिए एवं समूचे विश्व के लिए वह तभी कुछ करने की क्षमता प्राप्त कर सकता है जब वह अपनी सर्वांगीण उन्नति करने का सामर्थ्य रखता हो ।

वह विद्यारूपी समुद्र का मंथन करके ऐसे मोती प्राप्त कर सकता है जो आज तक अनबिद्ध रहे हों ।

१) आकृति पूर्ण कीजिए ।

(2)



२) स्वमत

(2)

परिच्छेद के आधार पर ‘देश की संपत्ति’ इस विषय पर अपने विचार ६-८ पंक्तियों में लिखिए ।

विभाग २ – पद्य (12 अंक)

प्रश्न २ अ)

निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

यह हार एक विराम है

जीवन महा-संग्राम है

तिल-तिल मिट्टेंगा पर दया की भीख मैं लूँगा नहीं ।

वरदान माँगूँगा नहीं ॥

स्मृति सुखत प्रहरों के लिए
अपने खंडहरों के लिए
यह जान लो मैं विश्व की संपत्ति चाहूँगा नहीं ।
वरदान माँगूँगा नहीं ॥

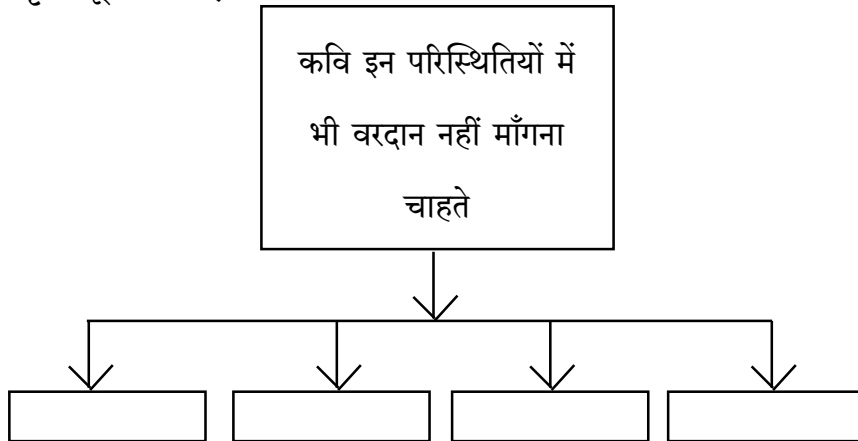
क्या हार में क्या जीत में
किंचित नहीं भयभीत मैं
संघर्ष पथ पर जो मिले यह भी सही वह भी सही ।
वरदान माँगूँगा नहीं ॥

लघुता न अब मेरी छुओ
तुम ही महान बने रहो
अपने हृदय की वेदना मैं व्यर्थ त्यागूँगा नहीं ।
वरदान माँगूँगा नहीं ॥

चाहे हृदय को ताप दो
चाहे मुझे अभिशाप दो
कुछ भी करो कर्तव्य पथ से किंतु भागूँगा नहीं ।
वरदान माँगूँगा नहीं ॥

१) आकृति पूर्ण कीजिए ।

(2)



प्र. २ क) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए ।

(1)

१) विश्व =

२) हार =

ख) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए ।

(1)

१) संपत्ति =

२) हृदय =

३) अभिव्यक्ति

(1)

यह हार एक विराम है

वरदान माँगूँगा नहीं ॥

उपर्युक्त पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए । (६-८ पंक्तियों में)

कृति २ आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

शील, विनय, आदर्श, श्रेष्ठता तार बिना झंकार नहीं है,
शिक्षा क्या स्वर साध सकेगी यदि नैतिक आधार नहीं है,
कीर्ति कौमुदी की गरिमा में संस्कृति का सम्मान न भूलें ॥

निर्माणों के पावन युग में हम चरित्र निर्माण न भूलें ।
स्वार्थ साधना की आँधी में वसुधा का कल्याण न भूलें ।

आविष्कारों की कृतियों में यदि मानव का प्यार नहीं है,
सृजनहीन विज्ञान व्यर्थ है प्राणी का उपकार नहीं है,
भौतिकता के उत्थानों में जीवन का उत्थान न भूलें ॥

निर्माणों के पावन युग में हर चरित्र निर्माण न भूलें ।
स्वार्थ साधना की आँधी में वसुधा का कल्याण न भूलें ॥

१) आकृति पूर्ण कीजिए ।

(2)

निर्माणों के पावन युग में हम इन्हें न भूले

१.

२.

३.

४.

२ क) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए ।

(1)

१) पावन =

२) वसुधा =

ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए ।

(1)

१) सम्मान ×

२) प्यार ×

३) अभिव्यक्ति = (1)

शील, विनय, आदर्श -----

कीर्ति कौमुदी की गरिमा में संस्कृति का सम्मान न भूलें ।

उपर्युक्त पंक्तियों का सरल अर्थ अपने शब्दों में ६-८ पंक्तियों में लिखिए ।

(2)

विभाग ३ – पूरक पठन (8 अंक)

प्रश्न ३ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

दिसंबर-जनवरी की हाड़ कँपाती ठंड हो, झमाझम बरसती वर्षा या उमस भरी गरमी की रातें । हर मौसम में रात बारह बजे के बाद चौकीदार नाम का यह निरीह प्राणी सड़क पर लाठी ठोकते, सीटी बजाते; हमें सचेत करते हुए कॉलोनी में रात भर चक्कर लगाते रोज सुनाई पड़ता है ।

हर महीने की तरह पहली तारीख को हल्के से गेट बजाकर खड़ा हो जाता है, ‘साब जी, पैसे?’ ‘कितने पैसे?’ वह उसे पूछता है ।

‘साब जी, एक रुपया रोज के हिसाब से महीने के तीस रुपए । आपको तो मालूम ही है ।’

‘अच्छा एक बात बताओ बहादुर, महीने में तुम्हें कितने घरों से पैसे मिल जाते हैं?’

‘साब जी यह पक्का नहीं है, कभी साठ घर से कभी पचास से । तीज-त्योहार पर बाकी घरों से भी कभी कुछ मिल जाता है । इतने में ठीक-ठाक गुजारा हो जाता है हमारा ।’

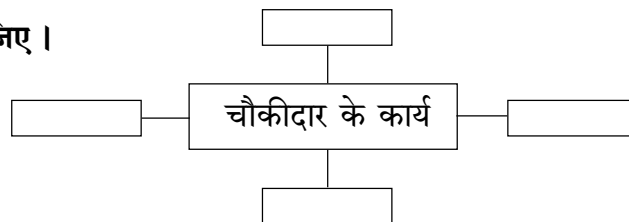
‘पर कॉलोनी में तो सौ-सवा सौ से भी अधिक घर हैं, फिर इतने कमे क्यों...?’

‘तो फिर तुम उनके घर के सामने सीटी बजाकर चौकसी रखते हो कि नहीं?’ उसने पूछा ।

‘हाँ साब जी, चौकसी रखना तो मेरी जिम्मेदारी है । मैं केवल पैसे के लिए ही काम नहीं करता । फिर उनकी चौकसी रखना तो और जरूरी हो जाता है । भगवान नहीं करे, यदि उनके घर चोरी-चोरी की घटना हो जाए तो पुलिस तो फिर भी हमसे पूछेगी न । और वे भी हम पर झूठा आरोप लगा सकते हैं कि पैसे नहीं देते इसलिए चौकीदार ने ही चोरी करवा दी । ऐसा पहले मेरे साथ हो चुका है साब जी ।’

१) संजाल पूर्ण कीजिए ।

(2)



२) स्वमत

‘अगर चौकीदार न होते’ इस विषय पर अपने विचार ६-८ पंक्तियों में लिखिए ।

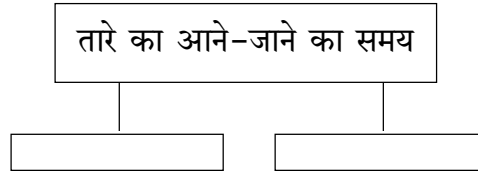
(2)

प्र. ३ आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

रात समय वह मेरे आवे । भोर भये वह घर उठि जावे ॥
यह अचरज है सबसे न्यारा । ऐ सखि साजन? ना सखि तारा ॥
वह आवे तब शादी होय । उस दिन दूजा और न कोय ॥
मीठे लागे वाके बोल । ऐ सखि साजन? ना सखि ढोल ॥
जब माँगू तब जल भरि लावे । मेरे मन की तपन बुझावे ॥
मन का बारी तन का छोटा । ऐ सखि साजन? ना सखि लोटा ॥
बेर-बेर सोवतहि जगावे । ना जागू तो काटे-खावे ॥
व्याकुल हुई मैं हक्की-बक्की । ऐ सखि साजन? ना सखि मक्खी ॥
अति सुरंग है रंग रँगिलो । है गुणवंत बहुत चटकीलो ॥
राम भजन बिन कभी न सोता । क्यों सखि साजन? ना सखि तोता ॥

१) संजाल पूर्ण कीजिए ।

(1)



२) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में लिखिए ।

(1)

१) बार-बार जगाकर काटनेवाली =

२) राम भजन किए बिना न सोनेवाला =

३) अभिव्यक्ति =

(2)

रात समय वह मेरे आवे -----

मीठे लागे वाके बोल । ऐ सखि साजन? ना सखि ढोल ।

उपर्युक्त पंक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में ६-८ पंक्तियों में लिखिए ।

विभाग ४ – भाषा अध्ययन व्याकरण (16 अंक)

कृति ३ अ) सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद (सव्यय) पहचानकर लिखिए ।

(1)

१) उम्मेद भवन विश्व का विशालतम भवन है ।

२) निम्नलिखित अव्ययों का अर्थपूर्ण वाक्यों में प्रयोग कीजिए । (2)

१) के लिए

२) अचानक

३) निम्नलिखित वाक्यों को पढ़कर उनमें प्रयुक्त कारकों को पहचानकर उनके भेद लिखिए । (2)

१) चौकीदार कॉलोनी में रात भर चक्कर लगाते हैं ।

२) डॉक्टर साहब की पत्नी चिंतित हुई ।

कारक चिह्न	कारक का भेद
१)	
२)	

४) निम्नलिखित वाक्यों में से सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए । (2)

१) दिन भर का कार्यक्रम होटल के मालिक ने निर्धारित कर दिया ।

२) विचित्र यान को देखकर मैं चौक पड़ा ।

सहायक क्रिया	मूल क्रिया
१)	
२)	

५) निम्नलिखित क्रियाओं का प्रथम तथा द्वितीय रूप लिखिए । (2)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
१) जलना		
२) खाना		

६) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरें का अर्थ लिखकर अपने सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए । (1)

मुहावरा	अर्थ	वाक्य
१) तसल्ली करना		
२) दस्तक देना		

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए ।

(ठग लेना, हड़प लेना)

मालिक ने जूलिया को धोखा दिया ।

७) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए । (2)

१) सुबह तक डॉक्टर भटनागर नहीं लौटे तब उनकी पत्नी चिंतित हुआ ।

२) गाड़ी अपना गति से बढ़ रही थी ।

८) निम्नलिखित विरामचिह्नों के नाम लिखिए । (2)

चिह्न नाम

१)

“ ”

 =

२)

?

९) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए । (1)

१) जूलिया सुन रही थी ।

१०) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए । (1)

१) क्या, सैकड़ों मनुष्यों ने भोजन किया? (विधानार्थक वाक्य)

विभाग ५ – रचना विभाग (उपयोजित लेखन 24 अंक)

* सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है । *

प्रश्न ५ अ) पत्रलेखन – निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए । (5)

पुणे का अपूर्व/अपूर्वा कठाले हाईस्कूल परीक्षा में प्रथम आने पर बधाई देते हुए मित्र/सहेली उमेश/उमा को पत्र लिखता/लिखती है ।

अथवा

कार्तिक/कीर्ति पाटील, रामनगर, दापोली, जिला रत्नागिरी से जन्मतिथि गलत दर्ज हुई है उसमें सुधार लाने हेतु अपने जिले के शिक्षणाधिकारी जिला परिषद रत्नागिरी को पत्र लिखता/लिखती है।

२) गद्य आकलन – प्रश्न निर्मिती –

(4)

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हो। (केवल प्रश्न ही बनाए)

महाराष्ट्र औरंगाबाद से ११० किलोमीटर की दूरी पर उत्तर दिशा में अजंता की जगप्रसिद्ध गुफाएँ हैं। यहाँ कुल तीस गुफाएँ हैं। विद्वानों के मतानुसार यहाँ की गुफाओं का निर्माणकार्य ई.स. दूसरी से ई.स. सातवीं तक चला होगा। शिल्प तथा चित्र अधिकांशतः भगवान बुद्ध के जीवन से संबंधित है। कार्य इतना अनूठा है कि दर्शक देखकर दंग रह जाते हैं। अपनी दर्शनीयता के साथ-साथ वे प्राचीन भारतीय संस्कृति की सुंदर झाँकी भी प्रस्तुत करते हैं। उदाहरणार्थ, स्त्रियों की केशभूषा, वेशभूषा उनके नानाविध अलंकार इत्यादि। यहाँ के चित्रोंके रंगों के बारे में कुछ कह पाना भी असंभव है। वे अब भी ऐसे चमकते हैं, जैसे आज ही रंगे गए हों।

प्रश्न ५ आ) वृत्तांत लेखन।

(5)

१) नीचे दिए गए विषय पर वृत्तांत लेखन ६० से ८० शब्दों में लिखिए।

अपने विद्यालय में मनाए गए 'हिंदी दिवस' समारोह का वृत्तांत ६० से ८० शब्दों में लिखिए।

अथवा

कहानी लेखन –

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर ७० से ८० शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख भी लिखिए।

दूर दूर से पानी लाना – सभी परेशान – सभा का आयोजन – मिलकर श्रमदान का निर्णय – दूसरे दिन से – केवल एक आदमी – काम में जुटना – धीरे-धीरे एक-एक का आना-सारा गाँव श्रमदान में-तालाब की खुदाई – बरसात के दिनों जमकर बारिश – तालाब का भरना – सीख।

२) विज्ञापन लेखन –

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर ५० से ६० तक शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

(5)

बालों का तेल → नाम → विशेषताएँ → छूट →

स्थान → संपर्क →

इ) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए।

(5)

१) मेरी मातृभूमि

२) हमारी सैर

३) किताब की आत्मकथा

